व्यापक व्यक्तिगत स्वास्थ्य और सुरक्षा एवं यौन स्वास्थ्य शिक्षा का महत्व

अनुसंधान दर्शाता है कि व्यक्तिगत स्वास्थ्य और सुरक्षा एवं यौन स्वास्थ्य शिक्षा के छाते के नीचे सभी ग्रेड के छात्रों को जब शैक्षिक निर्देश दिए जाते हैं – और जब यह व्यापक रूप से किया जाता है – तो इससे उनमें आत्मविश्वास आता है और अपनेपन की भावना पनपती है। यह कई स्वास्थ्य समस्याओं, किशोरों में अनचाहे गर्भ और कई प्रकार की हिंसा को भी रोक सकता है।[i ii]

इलिनॉय लर्निंग स्टैंडर्ड्स फॉर कोम्प्रेहेंसिव पर्सनल हेल्थ एंड सेफ्टी एंड सेक्सुअल हेल्थ एजुकेशन उन जिलों को जो यह विषय पढ़ाना चाहते हैं वहां के सभी ग्रेड्स के बच्चों को उनकी आयु के अनुसार निर्देशित करने के लिए चिकित्सकीय रूप से सटीक, साक्ष्यों से भरपूर, सांस्कृतिक रूप से संवेदनशील, और मानसिक आघात-सूचित मार्गदर्शिका प्रदान करते हैं।

माता-पिता/अभिभावकों की भूमिका:
माता-पिता/अभिभावक अपने बच्चों से यौन स्वास्थ्य के बारे में बात करके एक अत्यावश्यक भूमिका निभाते हैं, और कानून इसमें माता-पिता/अभिभावकों की कई तरीकों से बहुत मदद करता है ताकि वे इसमें शामिल हो सकें और जान सकें कि छात्रों को कैसे निर्देश प्राप्त हो रहे हैं। इसके अतिरिक्त, अगर माता-पिता/अभिभावक न चाहें तो अपने छात्र को ऐसी शिक्षा न देने का विकल्प भी चुन सकते हैं।

राज्य के कानून के अनुसार, 'द इलिनॉय लर्निंग स्टैंडर्ड्स फॉर कोम्प्रेहेंसिव पर्सनल हेल्थ एंड सेफ्टी एंड सेक्सुअल हेल्थ एजुकेशन' यौन शिक्षा के राष्ट्रीय मानक हैं। इलिनॉय मानकों को सात किस्मों में व्यवस्थित किया गया है:[iv]

- सहमति और स्वस्थ संबंध
- शरीर रचना विज्ञान और शरीर विज्ञान
- यौवन और किशोर यौन विकास
- लिंग पहचान और अभिव्यक्ति
- यौन अभिविन्यास और पहचान
- यौन स्वास्थ्य
- पारस्परिक हिंसा

इलिनॉय में जिलों के लिए यौन शिक्षा प्रदान करना वैकल्पिक है।

प्राथमिक स्कूल:
प्रारंभिक ग्रेड्स के बच्चों को अपने स्वास्थय को सुरक्षित रखने की शिक्षा देने से वे किशोरावस्था में ही आपसी सहमती से एवं सीमाओं में रहकर संबंध बनाना और एक-दुसरे से स्वस्थ रिश्ते बनाए रखना सिखते हैं। "7 से 13 वर्ष की आयु के बीच के बच्चों को यौन शोषण के शिकार होने का सर्वाधिक खतरा होता है। राष्ट्रीय स्तर पर रिपोर्ट किए गए मामलों में यौन शोषण का शिकार होने वाले बच्चों की औसत आयु है 9 वर्ष।"[iii]

माध्यमिक स्कूल:
स्कूल के बच्चों को इस आयु में शिक्षा के साथ-साथ स्वास्थय की रक्षा के संबंध में ज्ञान देने से स्कूल में एक स्वस्थ वातावरण का निर्माण होता है, जिससे डराने-धमकाने, आत्महत्या की प्रवृत्ति, मानसिक स्वास्थय संबंधी चुनौतियां, और समकक्ष बच्चों द्वारा उत्पीडन, (व्यक्तिगत और ऑनलाइन दोनों) के मामले रोकने में बहुत मदद मिलती है।

उच्च विद्यालय:
वयस्कता की आयु की ओर अग्रसर विद्यार्थियों को इस शिक्षा से ऐसे कौशल और साधन मिलते हैं जिससे वे आपस में स्वस्थ रिश्तों का निर्माण करते हैं, जिनमें स्वस्थ यौन संबंध भी शामिल हैं।

मार्गदर्शन देखें: www.isbe.net/sexualhealth

प्रश्न: के स्वास्थ्य विभाग से निम्न पर संपर्क करें sexualhealtheduction@isbe.net

i https://www.cdc.gov/healthyyouth/whatworks/what-works-sexual-health-education.htm

ii Journal of Adolescent Health 68 (2021) 13e27. Eva S. Goldfarb, Ph.D., and Lisa D. Lieberman, Ph.D., Three Decades of Research: The Case for Comprehensive Sex Education. DOI:https://doi.org/10.1016/j.jadohealth.2020.07.036

iii http://www.d2l.org/wp-content/uploads/2017/01/all_statistics_20150619.pdf

iv https://siecus.org/wp-content/uploads/2020/03/NSES-2020-web-updated-1.pdf

Illinois State Board of Education

isbe.net

July 2022